

सधरररनी ऑरररन 'डररनी'

डररन के डररररर

ISBN : 978-81-904999-6-2

मन के मौसम

राधारानी चौहान 'मानवी'

सर्वाधिकार

राधारानी चौहान 'मानवी'

प्रकाशक

संदर्भ प्रकाशन, भोपाल

जे-154, हर्षवर्द्धन नगर, भोपाल

मो. +91 9424469015

संस्करण

प्रथम 2018

मूल्य

रुपये 250/-

मुद्रण

स्पेसिफिक प्रिन्टर्स

जेड-23, जोन-1, एम.पी. नगर,

भोपाल (म.प्र.)



अनुक्रम

माँ // 13
माँ याद बहुत आती हैं // 18
नारी // 20
ये दिवा की स्वर्ण किरणें // 21
घड़ी // 22
स्वागत करते अभ्यागत का // 25
मानवता // 26
मेहनत // 28
शांति // 30
भारत-रत्न-इन्दिरा गाँधी // 32
साँझ का सूरज // 34
तुम ऊँचे ही उड़ते जाना // 36
सत्य // 37
प्रतिरोध // 39
वसंत // 42
स्वागत // 44
संवेदना का स्रोत // 45
इण्डेम गीत // 47
होली तुम अब अकेली न आना // 50
शब्द // 51
शाश्वत-सत्य // 53
चले आओ // 54

- जब से पाया प्यार तुम्हारा // 55
सीमा रेखा हूँ मैं // 56
स्व // 58
समय // 59
फागुन के आते ही // 60
जीवन इसी का नाम है // 62
फाग खेलता // 63
अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर // 65
पावस-गीत // 66
'नारी' ऐसे में शृंगार तुम्हारा // 67
ये पावस का मौसम है // 68
ऐ मन मुझे स्वीकार है // 69
गुरु वंदना // 70
शुभकामनाएँ // 71
अस्तित्व // 72
विदाई // 74
मंगलकामनाएँ // 75
इतना छोटा करो न मन को // 76
गाँधी का स्वप्न और भारत // 77
अमरता तुम्हारे चरण चूम लेगी // 79
हिन्दी अपनी भाषा है // 80
तुम्हें शपथ है // 82
बचपन देहरी लाँघ रहा है // 84
आशीर्वाद // 86
भारत-माता की जय बोलो // 87
अपनी धरती अपना अम्बर // 89
संकल्पों को शूली दे दो // 90
कैसे सूना रह पाएगा // 92
ममता की क्षमता से // 93

- जीवन // 94
मत ले चलो // 95
दीपक // 96
भूल नहीं पाती हूँ // 97
जिन्दगी के पन्नों पर // 98
याद आई है तुम्हारी // 99
न तुम जान पाए! // 100
गति की कहानी // 102
पीड़ा से कितनी पगी गयी // 103
नारी तुम पावन गंगा हो! // 104
नारी तुम सचमुच श्रद्धा हो // 106
अश्रु दीप // 108
बस यही है कामना // 110
तुम सघन विश्वास हो // 111
जब-जब बदली छा जाती है // 112
तन मरता है एक बार // 113
अमर रही अतृप्ति सदा ही // 115
स्वयं की खोज // 117
जब मुझे माँ ने जगाया // 120



श्रीमती राधारानी चौहान 'मानवी'

शिक्षा : एम.ए. (समाज शास्त्र एवं हिंदी साहित्य) एम. एड., संगीत विशारद ।

जन्म : 11 जनवरी 1952 कानपुर (उ.प्र.) ।

पिता-माता : स्व. बसंत लाल चौधरी - स्व. श्रीमती रुकमणी देवी ।

पति : स्व. श्री आर.के. चौहान ।

प्रकाशन : काव्य-संग्रह 'आभास', 'मन के मौसम' । विद्यार्थियों के लिए शिक्षाप्रद लेख कहानी संग्रह, लघुकथा, संग्रह-प्रकाशनाधीन । देश की विभिन्न साहित्यिक पत्रिकाओं में कविता, लेख, कहानी, लघुकथा, संस्मरण आदि प्रकाशित ।

अनुभव : एन.सी.ई.आर.टी. के क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान के प्रायोगिक विद्यालय में 34 वर्षों का अध्यापन कार्य ।

प्रसारण : विगत 35 वर्षों से आकाशवाणी में शैक्षणिक वार्ताकार दूरदर्शन पर काव्यपाठ, परिचर्चा, जनसम्वाद में सहभागिता ।

सम्मान : म.प्र. के राज्यपाल द्वारा महिमा समाज सेवी सम्मान 2016, लगभग 50 सम्मान एवं पुरस्कार राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा ।

विदेश : लंदन, अमेरिका में अन्तर्राष्ट्रीय साहित्य सम्मेलनों में सहभागिता एवं शोध पत्र प्रस्तुत ।

विशेष : दिल्ली, बड़ौदा, राजस्थान, कलकत्ता की साहित्यिक संस्थाओं से सम्बद्ध, स्थानीय सम्पादक, जिला प्रतिनिधि, शिक्षा सचिव । हिंदी लेखिका संघ म.प्र. भोपाल (उपाध्यक्ष) एवं कई साहित्यिक पत्रिकाओं का सम्पादन ।

सम्प्रति : राष्ट्रभाषा प्रचार समिति भोपाल म.प्र. द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका 'अक्षरा' की सहसम्पादक ।

संपर्क : 77, अराशा कुँज, गोमती कॉलोनी, नेहरू नगर चौराहा, भोपाल-462003
मो. 9425677246



संदर्भ
प्रकाशन

ISBN : 978-81-904999-6-2

₹ 250/-

